क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 286, बुधवार, 14 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कचहरी सीरियल ब्लास्ट में अभियोजन पक्ष की बहस शुरू

एजेंसी ,फैजाबाद। कचहरी सीरियल ब्लास्ट के प्रकरण में सुनवाई अंतिम दौर में है। मंडल कारागार में आयोजित विशेष न्यायालय में मंगलवार को अभियोजन पक्ष से एटीएस के एसपीओ एके ओझा ने बहस किया। हालांकि सुनवाई पूरी न होने पर बहस के लिए अग्रिम तिथि 20 नवम्बर नियत किया गया है। इसी के साथ विशेष न्यायाधीश अमरजीत त्रिपाठी ने ब्लास्ट के तीनों आरोपित मो.तारिक काजमी, मो. अख्तर व सज्जादुर्रहमान को पुन: कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में क्रमश: बाराबंकी, लखनऊ व फैजाबाद जेल भेजने का आदेश पारित किया। 11 साल पहले 23 नवम्बर 2007 को लखनऊ, वाराणसी व फैजाबाद की कचहरियों में दिन दहाड़े एक साथ भीषण बम विस्फोट की घटना हुई थी। घटना में अधिवक्त समेत चार लोगों की मौत हो गई। साथ ही दर्जनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। मामले में अभियोजन पक्ष व बचाव पक्ष की गवाही पूरी होने के बहस शुरू हो गई है। वही बहस के दौरान मंगलवार को अभियोजन पक्ष से अधिवक्ता सूर्यभान वर्मा, केके पाण्डेय तथा बचाव पक्ष से अधिवक्ता जमाल अहमद व एके मिल मौजूद रहे।

अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने की छठ पूजा

एजेंसी ,गोण्डा। गोंडा में चल रही छठ पूजा में तीसरे दिवस मंगलवार को शाम श्रद्धालु महिलाओं ने बड़गांव के खैरा मंदिर के पवित्र सरोवर में स्नान कर अस्त हो रहे सूर्य भगवान का पारम्परिक रूप से पूजन किया। सरोवर में शाम चार बजे से ही श्रद्धालु महिलाओं व बच्चों सहित परिवारजनों का जमावड़ा लग गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरोवर परिसर की साफ-सफाई के साथ प्रकाश की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के लिए पुलिस व महिला पुलिस बल तैनात किए गए थे। छठ पूजा में शामिल महिलाओं ने दिन में निराजल उपवास व रात्रि में भूमि में शयन कर सायं पांच बजते ही सरोवर में प्रवेश कर स्नान किया और अस्त हो रहे सूर्य का रंग लाल होते ही छठ मैया की जय-जयकार कर कमर भर पानी में घुस कर गाय के दूध से अर्घ्य दिया। इस मौके पर महिलाओं ने घर पर देशी घी में पकाए गए मीठे पकवान,गन्ना, मूली , केला आदि डाला-सुपेला में सजा कर छठ मैया को अर्पित कर प्रसाद ग्रहण किया। बुधवार को महिलाएं पुन: सुबह छह बजे इसी सरोवर में स्नान कर उदित सूर्य को अर्घ्य देकर नहाय खाय से व्रत का उद्यापन कर भोजन करेंगी।

पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली। छठ पूजा की तैयारियों में किसी भी तरह की कोई कोर कसर बाकी न रहे इसके लिए उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, विधायक संजीव झा समेत आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं व पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को विभिन्न घाटों का दौरा किया। खजूरी खास के एसीपी रजनीकांत और सोनिया बिहार थाने के प्रभारी दया सागर और करावल नगर के एसडीएम पुनीत कुमार ने सोनिया बिहार घाट का दौरा किया और तैयारियों का जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारियों को उचित निर्देश दिये।भाजपा मीडिया विभाग के प्रदेश सहप्रमुख आनंद त्रिवेदी ने बताया कि करीब तीन किलोमीटर लंबे सोनिया विहार घाट पर करीब पांच लाख लोगों के पूजा के लिए पहुंचने की संभवना है। इनमें से 20 हजार लोग यमुना घाट पर ही रात गुजारेंगे। कि केंद्र सरकार की लगभग 20 जनिहत कार्यक्रमों को जोड़कर एक घंटे की फिल्म बनायी गयी है, जिसे यहां पर एलईडी स्क्रीन पर दिखायी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी भी कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

कोलकाता में सोमवार को छठ पूजा के लिए बांस की टोकरी बेचती एक महिला।

बिजली चोरी रोकने वाले ने ही कर डाला लाखों का गबन

गोण्डा। यहां बिजली चोरी रोकने वाले टीजी-2 ने ही पांच लाख 63 हजार रुपए गबन कर लिया है। इसकी पोल डेढ़ माह बाद तब खुली जब अधिशासी अभियंता दफ्तर में इसकी पड़ताल हुई। एक्सईएन ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। अब टीजी-2 को तीन दिन के भीतर में स्पष्टीकरण सौंपना है। जवाब से संतुष्ट न होने पर कार्रवाई में भी देरी न होने के साफ संकेत मिले हैं। गोंडा के खंडीय लेखाकार दफ्तर में बकाया बिल की रकम में लाखों का अंतर दिख रहा था। इसके बाद पैसे के हेराफेरी को लेकर विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया। रुपए चोरी होने की आशंका सताई। फिर जिम्मेदार अफसरों की नींद हराम हो गई। कई दिनों तक गहनता से पड़ताल के बाद आखिरकार चोरी जब पकड़ में आई तो विभागीय अफसरों के भी होश उड़ गये। असल में सितंबर माह में घारीघाट सबस्टेशन के टीजी-2 महेंद्र कुमार ने विद्युत उपभोक्ताओं से पांच लाख 63 हजार 457 रुपए बकाया बिल वसूला था। डेढ़ महीने से अधिक समय बीत गये लेकिन, उन्होंने इस धनराशि के सापेक्ष एक भी रुपए खण्ड कार्यालय में जमा नहीं किया। टीजी-2 के कार्यशैली से नाराज एक्सईएन ने टीजी-2 महेंद्र कुमार चेतावनी भरा पत्र जारी किया है। उन्होंने तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण सौंपने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि जवाब से संतुष्ट न होने पर कार्रवाई तय है।

विभाग में ढूढ़ा जा रहा आरोपी को बचाने का रास्ता:

विद्युत विभाग में धन के गबन का यह कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले भी ऐसे प्रकरण उजागर हुए लेकिन, विभागीय बदनामी के डर से उस पर पर्दा डाल दिया गया। अब रक बार जब बड़े अफसर एक्सईएन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया तो मामले ने भी तूल पकड़ा है। लाखों के गबन का आरोपी इस बार टीजी-2 ही है। ऐसे में निष्पक्ष कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। देखना दिलचस्प यह भी होगा कि इस बार लाखों के गबन के आरोपी को सजा क्या मिलती है।

यूपी में योगी सरकार का बड़ा फैसला

इलाहाबाद को प्रयागराज और फैजाबाद को अयोध्या किया

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की आज मंगलवार को हुई बैठक में फैजाबाद मंडल का नाम बदल कर अयोध्या मंडल और इलाहाबाद मंडल का नाम बदल कर प्रयागराज मंडल किए जाने के फैसले पर मुहर लगा दी गयी। कैबिनेट ने मंडल के साथ जिलों का भी नाम बदला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने यह जानकारी दी। सुरेश खन्ना ने बताया कि मंत्रिमंडल ने इलाहाबाद मंडल का नाम प्रयागराज मंडल किये जाने तथा फैजाबाद मंडल का नाम अयोध्या मंडल किए जाने के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी । खन्ना ने बताया कि प्रयागराज मंडल में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर और प्रतापगढ़ जिले शामिल होंगे जबकि अयोध्या मंडल में अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर और अमेठी जिले शामिल हैं। यह सभी जिले पहले भी इन्ही मंडलों में शामिल थे। इससे पहले, सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के दिन घोषणा की थी कि फैजाबाद जिला अब से अयोध्या के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्य की राजधानी लखनऊ से तकरीबन 120 किलोमीटर दूर स्थित इस तीर्थनगरी में कहा, ''अयोध्या हमारी 'आन, बान और शान का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अयोध्या में नया मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है और इसका नाम राजर्षि दशरथ पर रखा जाएगा. यहां पर बन रहे एयरपोर्ट का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के नाम पर रखा जाएगा। सीएम योगी ने कहा था कि कोई अयोध्या के साथ अन्याय नहीं कर सकता है। आदित्यनाथ ने दीपावली के अवसर पर आयोजित 'दीपोत्सव में ये बातें कहीं। उन्होंने अयोध्या में भगवान राम के नाम पर एक नया हवाई अड्डा और भगवान राम के पिता राजा दशरथ के नाम पर जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की भी घोषणा की थी । इस अवसर पर भीड़ में शामिल कुछ लोगों को 'मंदिर का निर्माण कराओ के नारे लगाते सुना गया। आदित्यनाथ ने 'कथा पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था, ''दीपोत्सव नई परंपरा शुरू करता है। कथा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में दक्षिण कोरिया कोरिया की प्रथम महिला किम जुंग-सुक भी शामिल हुईं थी। इस अवसर पर 'राम की पैड़ी के पुन: विकास और सौंदर्यीकरण और सरयु नदी में मलजल प्रवाहित करने पर रोक लगाने समेत कई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। आपको बता दें कि 15 अक्टूबर को इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया था। जब मार्च 2017 को योगी सरकार उत्तर प्रदेश में आई तो उन्होंने यह वादा भी किया कि वे इलाहाबाद प्रयागराज कर देंगे। इसके बाद कई संतों ने उन्हें उनके वादे को याद दियाला।

कब बदला नाम

अकबरनामा और आईने अकबरी व अन्य मुगलकालीन ऐतिहासिक पुस्तकों से ज्ञात होता है कि अकबर ने सन 1575 के आसपास प्रयागराज में किले की नींव रखी। उसने यहां नया नगर बसाया जिसका नाम उसने इलाहाबाद रखा। उसके पहले तक इसे प्रयागराज के ही नाम से जाना जाता था।

रामायण काल में फैजाबाद का नाम था

साकेत रामायणकाल में फैजाबाद का नाम साकेत था।

ऐसे बदलता है शहर का नाम

– किसी शहर के स्थानीय लोग या जनप्रतिनिधि नाम बदलने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे

– राज्य मंत्रिमंडल प्रस्ताव पर विचार करती है और मंजूरी देने के बाद राज्यपाल की सहमति को भेजती है

– राज्यपाल प्रस्ताव पर अनुंशसा देने के साथ अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय गृहमंत्रालय को भेजता है

– गृहमंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद राज्य सरकार नाम बदलने की अधिसूचना जारी करती है।

अमित शाह भाजपा आईटी सेल को चुनावी जंग जीतने के लिए देंगे गुरुमंत्र

लखनऊ। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में वोटरों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर पूरा फोकस करने का फैसला किया है। इसके लिए पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने आईटी सेल को युद्धस्तर पर सक्रिय कर दिया है। आईटी सेल अब अगले महीने सोशल मीडिया वर्करों का एक बड़ा सम्मेलन लखनऊ में करने जा रही है। लखनऊ में होने वाले इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह चुनावी जंग जीतने को सोशल मीडिया वर्करों को गुरुमंत्र देंगे। इस सम्मेलन में पार्टी के 26 हजार सोशल मीडिया वर्कर भाग लेंगे।

हर बूथ पर पांच साइबर योद्धा: लोकसभा चुनावों में अपनी अहम भूमिका को देखते हुए प्रदेश भाजपा के आईटी सेल ने राज्य से लेकर क्षेत्र, जिला, मंडल, सेक्टर व बूथ स्तर पर सोशल मीडिया वालिंटयर्स की एक पूरी टीम तैयार कर ली है। प्रदेश के एक लाख 40 हजार बूथों तक पांच कार्यकर्ता ऐसे तैयार कर लिए गए हैं, जिनके पास एन्ड्रायड फोन है और वे इन्टरनेट, वाट्सएप फेसबुक और ट्विटर का इस्तेमाल करना जानते हैं।

वाट्सएप ग्रुप से प्रचार: सोशल मीडिया सैल ने पूरे प्रदेश में 56 हजार वाट्सएपग्रुप तैयार किए हैं।

भाजपा का ये वाट्सग्रुप ऑफिसियल हैं। इनके सहारे से पार्टी के कार्यक्रमों, अभियानों और चुनावी तैयारियों की जानकारी एक घंटे के अन्दर ऊपरी संगठन से लेकर बूथ स्तर तक के नियुक्त पांच साइबर कार्यकर्ताओं को मिल जाएगी।

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा का आईटी सेल सोशल मीडिया पर समर्थकों को तो मजबूती से पार्टी से जोड़ेगा ही, साथ ही विरोधी दलों के समर्थकों को अपने पाले में लाने की भी कोशिश करेगा।

–संजय राय, प्रभारी आईटी सेल, प्रदेश भाजपा

अयोध्या की धर्मसभा में गोंडा से शामिल होंगे 62000 कार्यकर्ता

गोण्डा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि आस्था और जन भावनाओं का प्रश्न है। लोकतंत्र में सभी को अपनी अभिव्यक्ति का अधिकार है। लेकिन जब उच्च न्यायालय ने संपूर्ण साक्ष्यों एवं तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए निर्णय लिया है, वह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय ने लंबी अवधि तक लंबित कर कहीं न कहीं जन भावनाओं की उपेक्षा की है। न्यायालय का सम्मान सर्वोपरि है लेकिन जहां करोड़ों राम भक्तों की आस्था का प्रश्न हो न्यायालयों को भी संयम व शीघ्रता बरतनी चाहिए। ये बातें हिंदू धर्म सभा समन्वय बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल ने कहीं।

25 नवंबर को अयोध्या में होने जा रही धर्म सभा के तैयारी के लिए जनपद के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न आनुसांगिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक सरस्वती सभागार मालवीय नगर में हुई। जिले से 62000 कार्यकर्ता धर्मसभा में जाएंगे। विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, किसान संघ, दीनदयाल शोध संस्थान, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विद्या भारती विद्यालय, एकल विद्यालय, बजरंग दल, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय मजदूर संघ सहित अन्य संगठनों के लाखों कार्यकर्ता 25 नवंबर को अयोध्या में होने जा रही धर्म सभा में भाग लेंगे। प्रांत प्रचारक ने 25 नवंबर को आयोजित होने वाली धर्म सभा के लिए प्रचार प्रसार सोशल मीडिया आदि के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक सभा की जानकारी पहुंचाने की अपील की। विभाग के सह विभाग संघचालक राम प्रकाश गुप्ता, विभाग प्रचारक रमेश, जिला प्रचारक अविनाश, जिला संघचालक श्रीमान सिंह, विश्व हिंदू परिषद के राकेश वर्मा गुड्डू, तुलसीदास रायचन्दानी, भाजपा जिला अध्यक्ष पीयूष मिश्रा ,सूर्य नारायण तिवारी , रूप नारायण सिंह ,राम कृष्ण तिवारी , के के श्रीवास्तव, डा. रंजन शर्मा महेंद्र सिंह, राजीव रस्तोगी,अरविन्द गुप्ता,राजेश रायचन्दानी, शुभम , अर्जुन तिवारी पंकज अग्रवाल, मनीष सिंह, प्रेमनाथ सिंह, धर्मेंद्र पांडेय, प्रवीण श्रीवास्तव, राजकुमार आशीष त्रिपाठी विष्णु प्रताप सिंह सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अतिथि परिचय ओम प्रकाश पाण्डेय जिला कार्यवाह ने कराया। यह जानकारी प्रचार टोली के जितेन्द्र पाण्डेय ने दी।

प्रदूषण बढ़ा तो पेट्रोल-डीजल से चलने वाले निजी वाहन भी होंगे बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण में कमी को देखते हुए पर्यावरण प्रदूषण निवारक प्राधिकरण (इपका) ने सोमवार को सुबह छह से शाम छह बजे तक निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटा दी।

साथ ही भारी वाहनों को एक रात के लिए दिल्ली में प्रवेश की इजाजत दे दी। हालांकि इपका ने यह भी कहा कि अगर हवा और जहरीली हुई तो पेट्रोल-डीजल वाहन बंद कर दिए जाएंगे और सिर्फ सीएनजी वाहनों को ही चलने की इजाजत दी जाएगी।

शर्तों के साथ ढील : केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सोमवार को कई विभागों के साथ बैठक कर दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा की।

हवा में सुधार के संकेत को देखते हुए पाबंदियों में कुछ शर्तों के साथ छूट देने की सिफारिश की गई।

निजी वाहनों पर रोक ही अंतिम विकल्प : इपका ने कहा कि अगर दिल्ली की हवा लगातार बहुत खराब और गंभीर श्रेणी में रहती है तो निजी व व्यावसायिक वाहनों पर रोक के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

सीएनजी वाहनों पर स्टीकर लगे हुए हैं। सार्वजनिक परिवहन में भी उनका सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। इसलिए सीएनजी वाहन ही चलेंगे।

सुबह छह से शाम छह बजे तक होंगे निर्माण कार्य : अध्ययन में पता चला कि दिन की बजाय रात में हवा की गुणवत्ता ज्यादा खराब हो रही है। इसलिए दिल्ली में सुबह छह से शाम छह बजे तक निर्माण पर लगी पाबंदी हटा ली गई। इसे बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। क्योंकि, निर्माण कार्यों पर पाबंदी से सैकड़ों सरकारी काम भी ठप हो गए थे।

सीमा पर फंसे ट्रकों के प्रवेश की इजाजत : दिल्ली की सीमा पर खड़े एक हजार से ज्यादा भारी वाहनों को सोमवार रात दिल्ली में प्रवेश की इजाजत दे दी गई। जाम न लगने पाए इसलिए इपका ने इन्हें टोल टैक्स और ग्रीन टैक्स की वसूली से भी छूट दी है।

सोमवार रात 11 बजे से मंगलवार की सुबह सात बजे तक इन ट्रकों का प्रवेश हो सकेगा।

बूंदाबांदी से आज हवा में सुधार के आसार

इपका ने अगले दो दिनों में प्रदूषण की स्थिति सुधरने की उम्मीद जताई है। सीपीसीबी के मुताबिक 13 और 14 नवंबर को हवा की गति में बढ़ोतरी होगी और बूंदाबांदी होने से प्रदूषण से राहत मिलने के आसार हैं। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 405 दर्ज किया गया जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है।

हवा में अतिसूक्ष्म कणों – पीएम 2.5 का स्तर 262 दर्ज किया गया जबकि पीएम 10 का स्तर 460 दर्ज किया गया। यह सेहत के लिए काफी खतरनाक है।

संपादकीय

अनसुलझे सीमा विवाद

यर चीफ मार्शल बीएस धनोआ का यह कहना अपने आप में बड़ी बात है कि पड़ोसी देशों से अनसुलझे सीमा विवाद और प्रायोजित आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती हैं। साफतौर पर धनोआ का इशारा चीन की तरफ है जो इस खुले और संवेदनशील क्षेत्र में अपनी धमक और हनक दिखाना चाहता है। निश्चित तौर पर चीन ने हाल के वर्षों में इस इलाके में अपनी संप्रभुता दिखाने के वास्ते न केवल सैन्य उपकरणों का आधुनिकीकरण किया है बल्कि उसकी अधोसंरचना में भी व्यापक सुधार किया है। चूंकि यह इलाका भारत के लिए रणनीतिक और सैन्य दृष्टि से बेहद अहम है बल्कि अमेरिका की मानें तो भारत इस पूरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा महत्त्व वाला मुल्क है। स्वाभाविक है कि चीन और पाकिस्तान इस बात से नाइत्तेफाकी रखते हैं और इस ताक में हैं कि येन-केन-प्रकारेण इस क्षेत्र पर उसका आधिपत्य हो। एयर चीफ मार्शल धनोआ का यह बयान इस बात की भी तस्दीक करता है कि चीन ने दबे पांव यहां अपनी सर्कियता बढ़ाई है। चीन किस मिजाज और सोच का देश है, इसे हर कोई जानता-समझता है। चूंकि यह इलाका कीमती खनिज पदार्थो से भरा पड़ा है, सो चीन की लालची नजर इस ओर सबसे ज्यादा रहती है। धनोआ का बयान इस नजरिये से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि उन्होंने खम ठोककर पड़ोसी देशों को यह समझाने की कोशिश की है कि इस तरफ ज्यादा गतिविधि भारत को न तो पसंद है न स्वीकार्य। वैसे भी यह हिन्द-प्रशांत क्षेत्र भारत के अलावा जापान के लिए भी बेहद अहम है। उसकी चिंता से भारत और अमेरिका भी मुतमईन हैं। सो इन क्षेत्रों में शांति, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त रणनीतिक विजन की जरूरत है। जहां तक बात भारत की वायु सेना की ताकत और आने वाले समय में उपकरणों के उन्नत करने की बात है तो इसे चरणबद्ध तरीके से ही अमलीजामा पहनाया जा सकता है। कई बार यह बात उछलती है कि भारत की वायु शक्ति कमजोर है या उस अनुरूप नहीं है, जैसी पड़ोसी चीन की है। मगर धनोआ का यह बयान देश को आास्त करने के लिए काफी है कि हम किसी से कम नहीं हैं। हमारी ताकत को कोई कमजोर नहीं समझे। किसी भी क्षेत्र में समृद्धि सुरक्षा पर निर्भर करती है। और जब हम सुरक्षित होंगे तभी समृद्धि की तरफ कदम बढ़ाएंगे। हमें चीन के अतीत को केंद्रबिंदु को ध्यान में रखकर ही अपनी रणनीति बनानी होगी। उसके किसी भी एक्शन को हल्के में लेना हमें मुसीबत में डाल सकता है। लिहाजा सतर्कता जरूरी है।

भारत के लिए एक शुभ संकेत

दुनिया भर में बढ़ते राष्ट्रवाद और कूटनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि के बीच प्रथम विश्व युद्ध के सौ साल पूरे होने के अवसर पर विश्व नेताओं के एकजुट होने का सांकेतिक अर्थ यही है कि विश्व में शांति, सहयोग और सद्भाव स्थापित हो और भविष्य में अब कोईयुद्ध न हो। लेकिन पूरी दुनिया में देशभक्ति, राष्ट्रभक्ति के नाम पर जिस तरह के संकुचित राष्ट्रवाद का उभार हो रहा है, वह आगे चलकर संघर्ष पैदा कर सकता है, और दुनिया विश्व युद्ध के मुहाने पर जा खड़ी हो सकती है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन समेत विश्व के अन्य नेताओं की उपस्थिति में इस बात के प्रति अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने देशभक्ति और राष्ट्रवाद के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि देशभक्ति राष्ट्रवाद के विपरीत अर्थ देती है, राष्ट्रवाद देशभक्ति का विासघात है। दरअसल, उनका कहने का आशय यह है कि किसी भी देश का हित इसमें नहीं है कि वह सिर्फ अपनी बात करे। विश्व की भलाई में ही उसके देश के हित निहित हैं। वास्तव में पूरी दुनिया में जिस तरह के तनाव और मतभेद पैदा हो रहे हैं, उनके आलोक में सबसे अधिक जरूरत इस बात की है कि देशभक्ति अंतरराष्ट्रीयवादी होनी चाहिए और इसी में विश्व का हित निहित है। इसी विचारधारा के जरिए हम विश्व में शांति, सहयोग और सद्भाव की स्थापना कर सकते हैं क्योंकि प्रथम विश्व युद्धके बाद स्थायी शांति कायम करने के जो प्रयास किए गए, वे असफल रहे और पूरी दुनिया को दूसरे विश्व युद्ध की विभीषिका झेलनी पड़ी। प्रथम विश्व युद्धके सौ साल पूरे होने पर इस युद्ध में शहादत देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए पेरिस में एकत्र हुए विश्व नेताओं को फ्रांसीसी राष्ट्रपति के राष्ट्रवाद और देशभक्ति के विचार को अंगीकार करने की जरूरत है। भारत की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए विश्व शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है।

सत्संग

क्रोधी

समाज दुख से भरा हुआ समाज है, उसकी ईट ही दुख की है, बुनियाद ही दुख की है। जब दुखी समाज होगा तो समाज में हिंसा होगी, क्योंकि दुखी आदमी हिंसा करेगा। जब समाज दुखी होगा और जीवन दुखी होगा तो आदमी क्रोधी होगा, दुखी आदमी क्रोध करेगा। और जब जिंदगी उदास होगी, दुखी होगी, तो युद्ध होंगे, संघर्ष होंगे, घृणा होगी। दुख सब चीज का मूल उद्गम है। नये समाज को जन्म देना हो तो दुख की ईटों को हटा कर सुख की ईटें रखनी जरूरी हैं। आदमी सुखी हो सकता है अगर प्रतिपल जो उसे मिल रहा है, उसे पूरे अनुग्रह और पूरे आनंद से आलिंगन कर ले। मैं समझ पाता हूं कि अगर एक नया मनुष्य पैदा करना है-जो नये समाज के लिए जरूरी है-तो हमें क्षण में सुख लेने की क्षमता और क्षण में सुख लेने का आदर और अनुग्रह और ग्रेटीटयूड पैदा करना पड़ेगा। लेकिन यह भूल क्यों हो गई कि आदमी इतना उदास और दुखी क्यों हमने निर्मित किया? यह भूल इसलिए हो गई कि हम शरीर के शत्रु हैं। सारी मनुष्यता अब तक शरीर की दुश्मन रही है। सच तो यह है कि जिसके हम दुश्मन हो जाएं उसके हम मालिक कभी भी नहीं हो पाते। मालिक तो हम सिर्फ उसी के हो पाते हैं, जिसे प्रेम करते हैं। इंद्रियों और शरीर की दुश्मनी के कारण एक द्वैत आदमी में हमने पैदा किया है। हम यहां जिस तरह की जिंदगी जीते हैं, आगे जो जिंदगी है, हम उसके आधार यहीं रखते हैं। इसी पृवी पर, इस पृवी के विरोध में नहीं। आत्मा की कोई जिंदगी है तो उसके आधार हम रखते हैं शरीर की जिंदगी में, शरीर के विरोध में नहीं। अतींद्रिय कोई आनंद हैं तो उनके भी आधार हम रखते हैं इंद्रियों के आनंदों में, उसके विपरीत नहीं। जिंदगी विरोध नहीं, एक हॉर्मनी है। यहां किसी चीज में विरोध नहीं है, जिंदगी एक इकट्ठी चीज है। लेकिन मनुष्य ने अब तक विरोध मान रखा था। तीसरे सूत्र में मैं आपसे कहना चाहता हूं क्षण, इंद्रिय, जीवन के सहज-सरल सुखों का विरोध नहीं। उन्हें सहज स्वीकार कर लेना ताकि जीवन में इतना सुख भर जाए कि दुख देने की क्षमता नष्ट हो जाए। वह अपने से हो जाती है, वह अपने से समाप्त हो जाती है। और अगर एक बात हो जाए इस पृवी पर कि आदमी दूसरे को दुख देने में उत्सुक न रह जाए तो नये समाज के जन्म होने में देर लग सकती है? नये समाज का मतलब क्या है? नये समाज की खोज का अर्थ क्या है? नये समाज की खोज का अर्थ है ऐसा समाज जहां कोई किसी के दुख के लिए उत्सुक नहीं है; जहां प्रत्येक प्रत्येक के सुख के लिए आतुर है। यह हो सकता है।

राजनीतिक दल का उभार हाल

राजस्थान की राजनीतिक प्रवृत्ति यह दिखती है कि जनसंघ ही, जो 1980 में गांधी समाजवाद के रास्ते पर चलने की घोषणा कर भारतीय जनता पार्टी के रूप में सामने आई, कांग्रेस के मुकाबले राज्य की राजनीति में उभरतीं विरोधी शक्तियों का केंद्र बनती चली गई और पहली बार भैरोसिंह शेखावत कुछेक निर्दलीय विधायकों के समर्थन से 1993 में सरकार बनाने में सफल हुए। इस तरह भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में अपने बूते खड़े होने का मुकाम हासिल किया। राजस्थान में पार्टियां एक ही विचारधारा की प्रतिद्वंद्वी के रूप में एक दूसरे के मुकाबले रही हैं। जाति-धर्म पार्टियों के आधार केंद्र रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद एक नये राजनीतिक भूगोल के रूप में राजस्थान के स्तर पर राजनीति की नई जमीन तैयार करने के लिए जो प्रयास हुए वे राजस्थान के किसी एक हिस्से में सिमट कर रह गए।

सतीश पेडणोकर

प्रदेश और उसे बांटकर 2002 में बनने वाले राज्य छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान के पहले अक्षरों का संक्षिप्त नामकरण है, जहां विधानसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं। तीनों राज्यों में कई स्तरों पर बहुत समानता है। खास तौर से यह कि तीनों राज्यों में दो ही पार्टियां कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी आमने-सामने रहती हैं। देश के करीब-करीब बाकी सभी राज्यों में तीसरी ताकत का उभार देखने को मिला है। मसलन, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र में आम आदमी पार्टी जैसे राजनीतिक दल का उभार हाल के वर्षो में दिखा। प्रश्न है कि क्या मछरा में विधानसभा चुनाव इन राज्यों में तीसरी राजनीतिक शक्ति के उभार की भी पृष्ठभूमि तैयार कर रहे हैं? ब्रिटिश साम्राज्य से सत्ता के हस्तांतरण के बाद देश के दो पिछड़े और ग्रामीण-बहुल राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कांग्रेस के मुकाबले भारतीय जनसंघ (भाजपा का पूर्व अवतार) ही एक बड़ी ताकत के रूप में मौजूद थी। राजस्थान में 1962 तक कांग्रेस की हुकूमत को छुआ नहीं जा सका लेकिन 1967 में जयपुर के पूर्व राजघराने की महारानी गायत्री देवी और भारतीय जनसंघ ने विधानसभा की सर्वाधिक सीटें जीत लीं। वह दौर भारतीय राजनीति में कांग्रेस के मुकाबले नये राजनीतिक ध्रुवीकरण का दौर था, और देश के नौ राज्यों में संविद सरकारें बनी थीं। राजस्थान में पहली बार जनसंघ के नेता भैरो सिंह शेखावत के नेतृत्व में 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी जिसे पहली गैर-कांग्रेसी सरकार कहा जा सकता है।

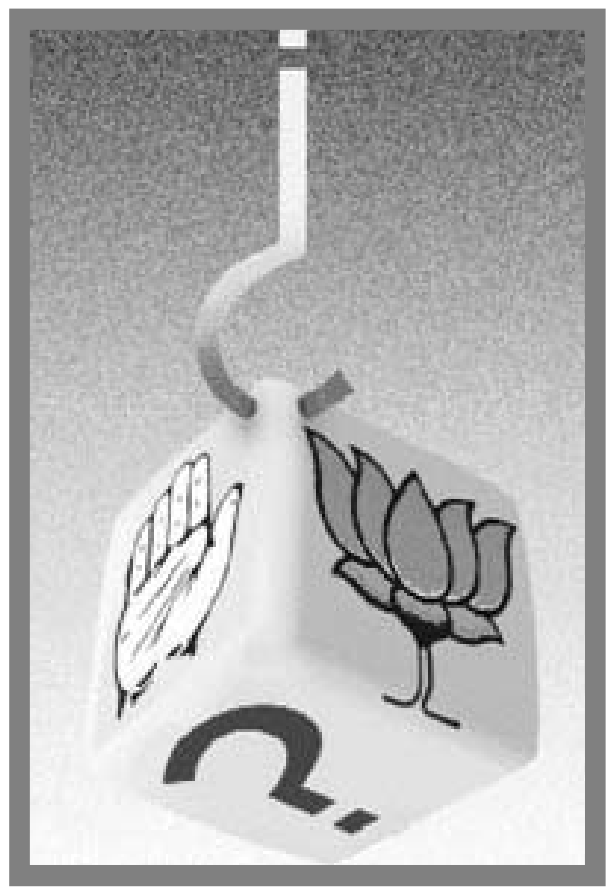

राजस्थान की राजनीतिक प्रवृत्ति यह दिखती है कि जनसंघ ही, जो 1980 में गांधी समाजवाद के रास्ते पर चलने की घोषणा कर भारतीय जनता पार्टी के रूप में सामने आई, कांग्रेस के मुकाबले राज्य की राजनीति में उभरतीं विरोधी शक्तियों का केंद्र बनती चली गई और पहली बार भैरोसिंह शेखावत कुछेक निर्दलीय विधायकों के समर्थन से 1993 में सरकार बनाने में सफल हुए। इस तरह भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में अपने बूते खड़े होने का मुकाम हासिल किया। राजस्थान में पार्टियां एक ही विचारधारा की प्रतिद्वंद्वी के रूप में एक दूसरे के मुकाबले रही हैं। जाति-धर्म पार्टियों के आधार केंद्र रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद एक नये राजनीतिक भूगोल के रूप में राजस्थान के स्तर पर राजनीति की नई जमीन तैयार करने के लिए जो प्रयास हुए वे राजस्थान के किसी एक हिस्से में सिमट कर रह गए।

मसलन, समाजवादी नेता मामा बालेश्वर दयाल ने समानता और बदहाली दूर करने की विचारधारा के आधार पर आदिवासी इलाकों में नई राजनीति खड़ी करने की कोशिश की लेकिन उनका विस्तार बांसवाड़ा से बाहर नहीं हो सका। किसान और किसानी के आधार पर कभी कुमारानंद ने तो कभी पथिक जी ने वैसे ही कोशिश की थी, जैसी सीकर के इलाके में हाल के दौर में सीपीएम ने की। लेकिन ऐसे प्रयास संसदीय राजनीति में विस्तार के रास्ते के रूप में विकसित नहीं हो सके। राजस्थान में तीसरी ताकत के रूप में खड़ी होने की जो भी कोशिश दिखी वह वास्तव में दो ताकतों के भीतर ही भागेदारी के नतीजे के साथ ठप पड़ गई। आदिवासी बहुल पिछड़े राज्य मध्य प्रदेश में विधानसभा के पहले पहल हुए चुनाव के दौरान कांग्रेस के मुकाबले दूर-दूर तक कोई दूसरी पार्टी देखने को नहीं मिली। पहले चुनाव में जनसंघ ने 76 सीटों पर चुनाव लड़ा और 62 पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस के 225 उम्मीदवारों में 194 को कामयाबी मिली। साम्यवादी पार्टी ने 143 उम्मीदवार खड़े किए और 13.3 प्रतिशत मत पाकर केवल 2 पर ही जीत सकी। केएमपीपी दूसरी ऐसी पार्टी थी, जिसे 14.22 प्रतिशत मत मिले थे और उसके 71 उम्मीदवारों में केवल 8 सफल हो पाए। जनसंघ के राजनीतिक मिजाज के विपरीत आदिवासियों, किसानों, मजदूरों के बुनियादी आर्थिक-सामाजिक हितों पर आधारित राजनीति करने वाली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी समेत आठ दल थे। लेकिन मध्य प्रदेश में भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी अकेले कांग्रेस के मुकाबले सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई। समाजवादी नेता रघु ठाकुर के अनुसार तीसरा मोर्चा बनाने की एक कोशिश 1989 में की गई लेकिन वह विफल हो गई।

दो पार्टियों के भीतर के असंतोष के नतीजे के रूप में बाहर आए नेताओं का समूह तीसरे मोर्चे का नारा जरूर लगाता दिखता है, लेकिन वह वास्तविक रूप में राजनीतिक विचारधारा के रूप में तीसरा मोर्चा नहीं होता है। यह आम प्रवृत्ति है कि विभिन्न तरह के मिजाज वाले क्षेत्रों में बंटे किसी राज्य में किसी एक कोने पर आधारित पार्टी खड़ी कर उसे तीसरा मोर्चे के रूप में संबोधित किया जाता है, जिसका मकसद सदन में प्रतिनिधित्व तक ही सिमटा रहता है। मध्य प्रदेश के विभाजन के बाद से छत्तीसगढ़ में भी यही सब देखने को मिला। फर्क सिर्फ यह दिखाई देता है कि मध्य प्रदेश में जहां पिछड़े वर्ग के हाथों में नेतृत्व है, वहीं आदिवासी-बहुल छत्तीसगढ़ में सवर्ण नेतृत्व है। मछरा में तीसरी शक्ति की राजनीति के संकेत भी धुंधले दिखते हैं। देश भर में चुनाव आयोग द्वारा मान्यताप्राप्त पार्टियों की संख्या 51 है, लेकिन इनमें एक भी मछरा से नहीं है। गैर-मान्यताप्राप्त पंजीकृत पार्टियां भी इन राज्यों में वैसी नहीं हैं, जो राजनीतिक स्तर पर तीसरे मोर्चे की दिशा में जाती दिखती हों। दावे के साथ कहा जा सकता है कि मछरा में चुनाव की पूर्व संध्या में किसी क्षेत्र विशेष और जाति विशेष के बीच प्रभाव रखने वाली पार्टियां तालमेल कर भी लेती हैं, तो उनका तालमेल राजनीतिक स्तर पर वर्चस्व रखने वाली पार्टियों के साथ नहीं हो पाता। राजस्थान में इस विधानसभा चुनाव में भी कई पार्टियों ने एक तीसरा मोर्चा बनाने का दावा किया है, और छत्तीसगढ़ में भी मायावती-अजीत जोगी की पार्टी के गठजोड़ के रूप में एक मोर्चा सामने आया है। लेकिन यह चुनावी गठबंधन इन पार्टियों की तात्कालिक जरूरत को ही रेखांकित करता है, न कि यह तीसरी शक्ति के किसी प्रादुर्भाव का संकेत है। मछरा में एक तरह से राजनीतिक जड़ता बनी हुई है।

नई शक्तियों के रूप में सामाजिक स्तर पर दमित हिस्से का उभार तो दिखाई दे रहा है, लेकिन वह संसदीय प्रतिद्वंद्विता में नई राजनीति की तरफ बढ़ने का संकेत नहीं दे रहा है। कह सकते हैं कि मछरा में संसदीय पार्टियों के बीच नई भाषा में राजनीति के लिए तीसरे मोर्चे की जरूरत बनी हुई है।

चलते चलते

एक्सचेंज ऑफर

सम्मानित करने वाले भी अक्सर कई मामलों में हिन्दी के लेखक ही होते हैं। उनकी कहीं यह भी इच्छा रहती होगी कि देखो, हमने तुम्हें सम्मान की सप्लाई की है, कभी तुम भी एक्सचेंज ऑफर में हमें सम्मान दे देना।

धर कुछेक बार सम्मानित हुआ। हिन्दी के लेखक को कई संस्थाएं बुलाकर सम्मानित करती हैं। सम्मानित करने वाले भी अक्सर कई मामलों में हिन्दी के लेखक ही होते हैं। उनकी कहीं यह भी इच्छा रहती होगी कि देखो, हमने तुम्हें सम्मान की सप्लाई की है, कभी तुम भी एक्सचेंज ऑफर में हमें सम्मान दे देना। हिन्दी में सम्मान ज्यादा महंगा ना पड़ता, एक नारियल, एक शाल में सम्मान आ लेता है। हिन्दी का लेखक उन खास क्षणों में खुद को सम्मानित टाइप फील कर लेता है। बाकी तो उसके घर वाले तक अक्सर कहते पाए जाते हैं-पता नहीं क्या करते रहते हैं। कतिपय वरिष्ठ साहित्यकार तो खुद को इस कदर बेइज्जत फील करते हैं कि हर हफ्ते अगर उनका सम्मान ना कराया जाए तो डिप्रेशन में आ जाते हैं। इसलिए जनहित में बुजुर्ग साहित्यकार का सम्मान हर हफ्ते कराया ही जाना चाहिए। पर कम बुजुर्ग साहित्यकारों का सम्मान भी लगातार होने लगे तो उन्हें खुद से पूछना चाहिए-इतना बेइज्जत तो ना दिखते तुम, काहे हर हफ्ते तुम्हें सम्मान की सप्लाई की जा रही है। मतलब सम्मान का आशय कहीं तो यह नहीं है कि उसे बताने की कोशिश हो रही हो कि देखो, जैसा भी जितना भी लिख मारा है, अब सम्मान हो लिया, तो लिखना बंद कर दो। मुझे लगता है कि ऐसे वरिष्ठ हर हफ्ते किसी ना किसी संस्था को फोन करके धमकाते होंगे-सम्मान ना हो रहा मेरा बहुत दिनों से, देखो मैं बताए देता हूं-लिखना शुरू कर दूंगा। इस मुल्क में इस कदर बेइज्जत है आम आदमी कि उसे इज्जत की सख्त दरकार है। कुछ दिनों में विदेशी कंपनियां इज्जत के बाजार को भांपकर इसमें सस्ते सुंदर दामों पर सप्लाई शुरू कर देंगी। ऑनलाइन इज्जत के पैकेज खरीदिए। मैंने तमाम शादियों में फूफ़ाओं, जीजाओं के बरताव का विश्लेषण किया है। इनमें से अधिकांश जीजाओं, फूफ़ाओं की दो टके नहीं पूछता होगा कोई इनके ऑफिस में, पड़ोस में। इज्जत कहां से पाएं, ससुराल पक्ष इज्जत की सप्लाई का सहज स्त्रोत लगता है। वहां से जीजा टाइप लोग इज्जत खींचते हैं, खींचते क्या हैं अपहरण करते हैं। लाइसेंस-परमिट देने वाले भ्रष्ट अफसर का सम्मान जिस लेवल का होता है, वैसा ही सम्मान जीजा का होता है। रिश्वत कौन मन से देता है। अधिकांश जीजाओं, फूफ़ाओं को समझ लेना चाहिए कि तुम्हें भी इज्जत कौन मन से दे रहा है।

फोटोग्राफी...

शिमला में सोमवार को रेलवे ट्रैक पर खड़ी 1905 में ब्रिटिश सरकार द्वारा निर्मित ''कालका-शिमला यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज स्टीम ट्रेन'।

जल-चिकित्सा में ''कटिस्नान'

समय में जब विचारों की नदी ही सूखने की कगार पर हो, जहां हृदय की जमीन प्रतिक्रियावादी हिंसा की उर्वर जमीन होती जा रही हो, वहां दान, त्याग, सेवा और सद्भाव के संदेश को संप्रेषित करने वाला पर्व छठ घोर अंधेरे में दीप की तरह है। यह पर्व हमें स्वच्छता, समानता, सौहार्द एवं सहभागिता का महत्त्वपूर्ण संदेश देता है। इस पर्व के प्रति पूरबियों की भक्ति, आसक्ति और समर्पण को देखना अद्भुत है। लोक आस्था का यह महापर्व प्रकृति का पर्व है। इसे हर जाति के लोग, राजा-रंक सब, एक ही घाट पर इकट्ठा होकर श्रद्धा और विास के साथ मनाते हैं। व्रत को बिना भेदभाव स्त्री-पुरुष, विधवा-सुहागन सभी करते हैं। छठ के मधुर लोकगीतों की एक विशिष्ट और पवित्र सांगीतिक लहर है। छठ गीत के ज्यादातर गीत भोजपुरी में ही मिलते हैं। छठ पूजा क्या है, इसकी खासियत क्या है, इसमें ऐसा क्या होता है, जिसने पूरी दुनिया में इसे मशहूर किया। इसे समझने के लिए लोककंठ में बसे छठ गीतों को सुनना चाहिए। छठ पर्व, छठ या षष्ठी पूजा कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाने वाला सनातन पर्व है। सूर्योपासना का यह अनुपम लोक पर्व मुख्य रूप से पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। छठव्रती कमर भर जल में खड़े होकर सूर्य का ध्यान करते हैं। ऐसा करना जल-चिकित्सा में ''कटिस्नान' के नाम से जाना जाता है। नदी-तालाब और अन्य जलाशयों के जल में देर तक खड़े रहने से शरीर के कई र्चम रोगों का निदान हो जाता है। वहीं इसका दूसरा पहलु यह है कि साल में ऋतु परिवर्तन के संधि का काल यानी चैत और कार्तिक महीने में यह पर्व मनाया जाता है। चार दिवसीय पर्वव्रतियों को ऊर्जा से भर देता है। भोजपुरिया संस्कृति के प्रतीक महापर्व ''छठ' में एक ओर जहां लोकमन की सहजता है, तो दूसरी ओर वैज्ञानिकता को सबल करने वाली आस्था भी है। भोजपुरी अंचल में कहा जाता है कि कोई परदेशी कहीं रहे लेकिन छठ में अपने गांव-घर जरूर चला आता है। ऐसा कहना सही भी है वरना दिल्ली, मुंबई, लुधियाना, सूरत, कोलकाता, चेन्नई जैसे महानगरों से भोजपुरीभाषी जिलों की ओर आने वाली ट्रेनें इतनी भरी नहीं होतीं। कहना न होगा कि प्रवासी भोजपुरियों की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े इस पर्व के प्रति गैर-भोजपुरिया समाज में आस्था का भाव आज न सिर्फदेश के अन्य भू-भागों में, बल्कि विदेशों में भी देखा जा रहा है। मॉरीशस, फीजी, नीदरलैंड, सूरीनाम, सिंगापुर, दुबई, मस्कट, बैंकाक के कई शहरों में छठ तो होता ही है, लेकिन अब सुदूर अमेरिका, इग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी छठ का आयोजन धूमधाम से हो रहा है। छठ की लोकप्रियता का आलम यह है कि अमेरिका की क्रिस्टीन द्वारा गाया गया छठ गीत सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, तो वहीं दिल्ली एनसीआर के कई पंजाबी परिवार भी छठ का व्रत पूरी आस्था के साथ कर रहे हैं। गंगा-जमुनी तहजीब के शहर बनारस में कई मुस्लिम महिलाओं की सूर्य को अर्घ्य अर्पित करती तस्वीरें मीडिया में र्चचा में हैं। दरअसल, छठ हमारी संस्कृति, संवेदनाओं, परंपराओं और लोक जीवन का जीवंत रूप है। छठ चांदनी तानने और उस चांदनी के भीतर परिवार के चिरागों को नेह के आंचल की छाया देने का पर्व है। यह भी सुखद तय है कि छठ पर आधुनिकता और बनावटीपन का कोई असर नहीं है। इसलिए सांस्कृतिक पहचान तथा श्रद्धा और समर्पण के इस लोकोत्सव के साथ जुड़ना एवं इसकी पवित्रता बरकरार रखना बेहद जरूरी है।

यूपी में योगी सरकार का बड़ा फैसला, इलाहाबाद को प्रयागराज और फैजाबाद को अयोध्या किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की आज मंगलवार को हुई बैठक में फैजाबाद मंडल का नाम बदल कर अयोध्या मंडल और इलाहाबाद मंडल का नाम बदल कर प्रयागराज मंडल किए जाने के फैसले पर मुहर लगा दी गयी। कैबिनेट ने मंडल के साथ जिलों का भी नाम बदला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने यह जानकारी दी। सुरेश खन्ना ने बताया कि मंत्रिमंडल ने इलाहाबाद मंडल का नाम प्रयागराज मंडल किये जाने तथा फैजाबाद मंडल का नाम अयोध्या मंडल किए जाने के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी । खन्ना ने बताया कि प्रयागराज मंडल में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर और प्रतापगढ़ जिले शामिल होंगे जबकि अयोध्या मंडल में अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर और अमेठी जिले शामिल हैं। यह सभी जिले पहले भी इन्ही मंडलों में शामिल थे। इससे पहले, सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के दिन घोषणा की थी कि फैजाबाद जिला अब से अयोध्या के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्य की राजधानी लखनऊ से तकरीबन 120 किलोमीटर दूर स्थित इस तीर्थनगरी में कहा, च्च्अयोध्या हमारी च्आन, बान और शान का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अयोध्या में नया मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है और इसका नाम राजर्षि दशरथ

पर रखा जाएगा. यहां पर बन रहे एयरपोर्ट का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के नाम पर रखा जाएगा। सीएम योगी ने कहा था कि कोई अयोध्या के साथ अन्याय नहीं कर सकता है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अयोध्या की पहचान भगवान राम से है। आदित्यनाथ ने दीपावली के अवसर पर आयोजित च्दीपोत्सव में ये बातें कहीं।

उन्होंने अयोध्या में भगवान राम के नाम पर एक नया हवाई अड्डा और भगवान राम के पिता राजा दशरथ के नाम पर जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की भी घोषणा की थी । इस अवसर पर भीड़ में शामिल कुछ लोगों को च्मंदिर का निर्माण कराओ के नारे लगाते सुना गया।

आदित्यनाथ ने 'कथा पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था, ''दीपोत्सव नई परंपरा शुरू करता है। कथा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में दक्षिण कोरिया कोरिया की प्रथम महिला किम जुंग-सुक भी शामिल हुईं थी। इस अवसर पर 'राम की पैड़ी के पुन: विकास और सौंदर्यीकरण और सरयु नदी में मलजल प्रवाहित करने पर रोक लगाने समेत कई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। आपको बता दें कि 15 अक्टूबर को इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया था। यह मांग काफी समय से उठ रही थी मगर कभी इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। जब मार्च 2017 को योगी सरकार उत्तर प्रदेश में आई तो उन्होंने यह वादा भी किया कि वे इलाहाबाद प्रयागराज कर देंगे। इसके बाद कई संतों ने उन्हें उनके वादे को याद दियाला। इलाहाबाद में मुख्यमंत्री ने इस घोषणा को अमली जामा पहनाने की शुरुआत कर दी थी।

अकबरनामा और आईने अकबरी व अन्य मुगलकालीन ऐतिहासिक पुस्तकों से ज्ञात होता है कि अकबर ने सन 1575 के आसपास प्रयागराज में किले की नींव रखी। उसने यहां नया नगर बसाया जिसका नाम उसने इलाहाबाद रखा। उसके पहले तक इसे प्रयागराज के ही नाम से जाना जाता था। साकेत रामायणकाल में फैजाबाद का नाम साकेत था। अयोध्या नगरी फैजाबाद जिले में ही आती है, अब जिले का नाम भी बदलकर अयोध्या कर दिया गया है। भगवान जब वनवास के लिए जा रहे थे तब भरत उनसे मिलने जिस जगह पर आए थे, वह फैजाबाद मुख्यालय से सिर्फ 15 किमी की दूरी पर है। यहां भरतकुंड भी है।

अमित शाह भाजपा आईटी सेल को चुनावी जंग जीतने के लिए देंगे गुरुमंत्र

लखनऊ। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में वोटरों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर पूरा फोकस करने का फैसला किया है। इसके लिए पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने आईटी सेल को युद्धस्तर पर सक्रिय कर दिया है। आईटी सेल अब अगले महीने सोशल मीडिया वर्करों का एक बड़ा सम्मेलन लखनऊ में करने जा रही है। लखनऊ में होने वाले इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह चुनावी जंग जीतने को सोशल मीडिया वर्करों को गुरुमंत्र देंगे। इस सम्मेलन में पार्टी के 26 हजार सोशल मीडिया वर्कर भाग लेंगे। हर बूथ पर पांच साइबर योद्धा लोकसभा चुनावों में अपनी अहम भूमिका को देखते हुए प्रदेश भाजपा के आईटी सेल ने राज्य से लेकर क्षेत्र, जिला, मंडल, सेक्टर व बूथ स्तर पर सोशल मीडिया वालिंटयर्स की एक पूरी टीम तैयार कर ली है। प्रदेश के एक लाख 40 हजार बूथों तक पांच कार्यकर्ता ऐसे तैयार कर लिए गए हैं, जिनके पास एन्ड्रायड फोन है और वे इन्टरनेट, वाट्सएप फेसबुक और ट्विटर का इस्तेमाल करना जानते हैं। वाट्सएप ग्रुप से प्रचार- सोशल मीडिया सेल ने पूरे प्रदेश में 56 हजार वाट्सएपग्रुप तैयार किए हैं। भाजपा का ये वाट्सग्रुप ऑफिसियल हैं। इनके सहारे से पार्टी के कार्यक्रमों, अभियानों और चुनावी तैयारियों की जानकारी एक घंटे के अन्दर ऊपरी संगठन से लेकर बूथ स्तर तक के नियुक्त पांच साइबर कार्यकर्ताओं को मिल जाएगी। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा का आईटी सेल सोशल मीडिया पर समर्थकों को तो मजबूती से पार्टी से जोड़ेगा ही, साथ ही विरोधी दलों के समर्थकों को अपने पाले में लाने की भी कोशिश करेगा।

डबल मर्डर से दहशत में प्रयागराज, चाचा-भतीजे की हत्याकर बीच सड़क पर जलाया शव

प्रयागराज झूंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में झूंसी के न्याय नगर पंचायत के वार्ड नंबर 15 के पूर्व सभासद के घर के सामने सोमवार रात चाचा-भतीजे की गोली व बम मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पेट्रोल डालकर उनकी लाशें भी फूंक दी गईं। साथ में दो बाइकों को आग के हवाले कर दिया गया। इस दोहरे हत्याकांड से गांव में सनसनी फैल गई। मौके पर ग्रामीणों के पहुंचने से पहले ही पूर्व सभासद समेत चार परिवार के लोग फरार हो चुके थे। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पड़ताल में जुट गए। पुलिस को घटना स्थल पर एक तमंचा और शराब की बोतलें मिली हैं। पूर्व सभासद और उसके परिजनों पर ही दोहरे हत्या का आरोप लगा है। मारे गए चाचा-भतीजे कुछ ही दिन पहले जेल से छूटे थे।

न्याय नगर पंचायत वार्ड नंबर 15 के कलावरी टोला निवासी गुलाब का 19 साल का बेटा वासु और उसके चचेरे भाई अशोक का 17 साल का बेटा रवि रविवार रात बाइक से निकले थे। वासु को मथुरा जाना था। घर से 200 मीटर दूर नगर पंचायत वार्ड नंबर 15 के पूर्व सभासद विष्णु के पिता का नन्हे की गोमती के पास कुछ विवाद हो गया। इस दौरान ताबड़तोड़ बम और गोलियों की बौछार से वहां हड़कंप गच गया। गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीण वहां मौके पर पहुंचे लेकिन बम और गोली चलते देखकर पीछे रुक गए। कुछ देर बाद लोगों ने आगजनी देखी तो बाहर आए, यह देख हमलावर भागे।

मौके पर वासु और रवि की जली हुई लाश पड़ी थी। दो बाइकें जला दी गई थीं। घटना से गांव में कोहराम मच गया। पूर्व सभासद विष्णु समेत आसपास के लोग अपना घर खुला छोड़कर फरार हो चुके थे। थोड़ी देर बाद पुलिस को वारदात की सूचना दी गई। आईजी मोहित अग्रवाल व एसएसपी नितिन तिवारी पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीड़ित परिवार ने पूर्व सभासद समेत आठ लोगों पर केस दर्ज कराया है। प्रयागराज के आईजी मोहित अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को घटना स्थल पर एक तमंचा मिला है। परिजनों ने जिन लोगों पर आरोप लगाया है, पुलिस टीम उनकी तलाश कर रही है। जो भी अभियुक्त हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिजली चोरी रोकने वाले ने ही कर डाला लाखों का गबन

गोण्डा। यहां बिजली चोरी रोकने वाले टीजी-2 ने ही पांच लाख 63 हजार रुपए गबन कर लिया है। इसकी पोल डेढ़ माह बाद तब खुली जब अधिशासी अभियंता दफ्तर में इसकी पड़ताल हुई। एक्सईएन ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। अब टीजी-2 को तीन दिन के भीतर में स्पष्टीकरण सौंपना है। जवाब से संतुष्ट न होने पर कार्रवाई में भी देरी न होने के साफ संकेत मिले हैं। गोंडा के खंडीय लेखाकार दफ्तर में बकाया बिल की रकम में लाखों का अंतर दिख रहा था। इसके बाद पैसे के हेराफेरी को लेकर विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया। रुपए चोरी होने की आशंका सताई। फिर जिम्मेदार अफसरों की नींद हराम हो गई। कई दिनों तक गहनता से पड़ताल के बाद आखिरकार चोरी जब पकड़ में आई तो विभागीय अफसरों के भी होश उड़ गये। असल में सितंबर माह में घारीघाट सबस्टेशन के टीजी-2 महेंद्र कुमार ने विद्युत उपभोक्ताओं से पांच लाख 63 हजार 457 रुपए बकाया बिल वसूला था। डेढ़ महीने से अधिक समय बीत गये लेकिन, उन्होंने इस धनराशि के सापेक्ष एक भी रुपए खण्ड कार्यालय में जमा नहीं किया। टीजी-2 के कार्यशैली से नाराज एक्सईएन ने टीजी-2 महेंद्र कुमार चेतावनी भरा पत्र जारी किया है। उन्होंने तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण सौंपने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि जवाब से संतुष्ट न होने पर कार्रवाई तय है।

काम न करने वाले अधिकारियों को यूपी सरकार ने दी ये चेतावनी

लखनऊ। खेलमंत्री चेतन चौहान ने सोमवार को हुई समीक्षा बैठक में कहा कि जो अधिकारी काम नहीं कर रही हैं या लापरवाह हैं वे सजा के लिए तैयार रहे हैं। जो अच्छा काम करेंगे उनकी पीठ थपथपाई जाएगी। उन्होंने समय से सूचना न देने पर अलीगढ़ में तैनात क्रीड़ाधिकारी नसरीन बानो को वहां से हटाकर खेल निदेशालय से संबंद्ध कर दिया है। साथ ही बिना सूचना के बैठक में न आने पर अमरोहा के उप क्रीड़ाधिकारी नूर हसन से स्पष्टीकरण मांगा है।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सभागार में हुई इस बैठक में सिद्धार्थनगर व गोण्डा के क्रीड़ाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण शिविर की सूचना न भेजने पर उनसे भी स्पष्टीकरण मांगा गया। यही नहीं उन्होंने बहराईच, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, महमूदाबाद व बिजनौर में राजस्व में कमी होने के कारण वहां के अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

उन्होंने कहा कि विभाग की सभी प्रतियोगिताओं का गंभीरता से आयोजित किया जाए। साथ ही स्टेडियमों में साफ-सफाई का खास ध्यान रखा जाए। बीच-बीच में स्वच्छता अभियान चलाया जाए।

वहीं खेल निदेशक डा.आरपी सिंह ने कहा कि खेल निदेशालय द्वारा निर्धारित प्रतियोगिताओं का आयोजन समय से हो। यदि ऐसा नहीं होता है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही होगी।

उन्होंने नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फंड की निर्धारित गाइडलाइन्स के अनुसार जिलों में खिलाड़ियों में आर्थिक सहायता के प्रस्ताव मांगे जाए और इसका प्रचार-प्रसार भी हो। इस बैठक में संयुक्त खेल निदेशक अनिल कुमार बनौधा, उपनिदेशक ल आरएन सिंह व एसएस मिश्र, सहायक वित्त व लेखाधिकारी धीरेंद्र श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

अखिलेश-शिवपाल ही नहीं क्या मुलायम की बहुएं भी होंगी आमने-सामने-2019 लोकसभा चुनाव

संडीला। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी यूपी में सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आएगी। फिलहाल 43 समान विचारधारा वाले दल उनके साथ हैं। वहीं मुलायाम सिंह के कुनबे में बिखराव होता नजर आ रहा है। ऐसे में शिवपाल और अपर्णा साथ नजर आए है उससे राजनीतिक गलियारों में कयास लगाए जा रहे हैं कि डिंपल यादव और देवरानी अपर्णा यादव भी आमने सामने हो सकते हैं। दंगल में जहां पहलवान कुश्ती के दांवपेच आजमाने में मशगूल थे वहीं चाचा शिवपाल के साथ खुलकर आईं अपर्णा ने नए सियासी संकेत दिए हैं। चर्चा रही कि राजनीति के अखाड़े में अब मुलायम के बेटे अखिलेश

और भाई शिवपाल के आमने-सामने जोर आजमाइश करने के साथ ही कुनबे में बिखराव होगा। मुलायम की बड़ी बहू डिंपल यादव का सामना आने वाले दिनों में देवरानी अपर्णा से भी हो सकता है। एक मंच पर जिस तरह शिवपाल और अपर्णा नजर आए उससे राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। संडीला में उर्स व दंगल समारोह में आए शिवपाल ने कहा कि बड़े भइया मुलायम सिंह यादव के अलावा उनकी बहू अपर्णा यादव भी उनके साथ हैं। चुनाव में जितने भी दल उतरेंगे, उनसे वार्ता करेंगे। वामसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम से भी बात हुई है, सब उनके साथ हैं। इस मौके पर अपर्णा यादव ने कहा कि वह जो कुछ भी कर रहीं, नेताजी के कहने पर कर रही हैं। नेताजी उनके साथ हैं। हालांकि उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कोई टिप्पणी नहीं की।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की राह आसान करेंगे आरएसएस-विहिप

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद सरीखे हिन्दुत्ववादी संगठन लोकसभा चुनावों से पहले राम मंदिर निर्माण के लिए 6 दिसम्बर 1992 से पहले का माहौल बनाने में जुट गए हैं।

दोनों ही संगठन सुप्रीम कोर्ट पर तो कुछ कहने से बच रहे हैं लेकिन राम मंदिर निर्माण में कांग्रेस को सबसे बड़ी बाधा बताकर मुद्दे को सियासी धार देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। विश्व हिन्दू परिषद 25 नवम्बर को धर्म सभा में दो लाख संतों और रामभक्तों को जुटाकर कांग्रेस समेत सभी

विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा करने के एजेण्डा पर काम कर रहा है। यह कुछ उसी तर्ज पर किया जा रहा है जैसा 1992 में राममंदिर आंदोलन के दौरान किया गया।

अंत्येष्टि स्थल के घाट का नाम रामचन्द्रदास परमहंस हो- विश्व हिन्दू परिषद ने सीएम योगी से रामचन्द्रदास परमहंस की अंत्येष्टि स्थल का नाम परमहंस घाट रखने की मांग की है। 25 नवंबर को ही बंगलुरू और नागपुर में भी धर्मसभाएं होंगी। इसके बाद दो दिसम्बर को मुम्बई में और 9 दिसम्बर को दिल्ली में धर्मसभाएं होंगी।आरएसएस और विहिप के सूत्रों के अनुसार राम मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने को लेकर जगह-जगह धर्मसभाएं और पदयात्राएं शुरू की जा रही हैं। इसी दौरान केन्द्र सरकार यदि मंदिर निर्माण के लिए कानून या अध्यादेश का सहारा लेती है तो यह भाजपा के लिए ही फायदेमंद होगा।

भाजपा के इस फैसले का विरोध करने वाले विपक्षी दलों को हिन्दू विरोधी होने का आरोप लगाकर उन्हें लोकसभा चुनाव के मैदान में चित्त किया जा सकता है। विहिप के अवध प्रांत के संगठन मंत्री भोलेन्द्र कुमार कहते हैं कि राम मंदिर निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट के सामने कांग्रेस के नेता व वकील कपिल सिब्बल ने लोकसभा चुनाव तक सुनवाई टालने की याचिका दाखिल की थी।

कांग्रेस ने कभी भी राममंदिर निर्माण नहीं चाहा। ऐसा कर उसने सवा सौ करोड़ हिन्दुओं के साथ विश्वासघात किया है। इसके लिए हिन्दू जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हिन्दू अब चुप नहीं बैठेंगे।

हिट एंड रन - नशे में धुत पिकअप चालक ने फुटपाथ पर सो रहे 5 लोगों को रौंदा

गोंडा। यूपी के गोण्डा-बलरामपुर रोड पर सोमवार देर रात नशे में धुत एक पिकअप चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को जबरदस्त टक्कर मारी, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद चालक पिकअप लेकर फरार हो रहा था लेकिन ओवरब्रिज की रेलिंग में जा टकराया।

इस घटना की सूचना

मिलते ही पुलिस ने गाड़ी समेत चालक को पकड़ लिया है। उधर, घायलों की हालत गंभीर है, जिन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। गोण्डा-बलरामपुर रोड पर साहबगंज निकट चिंटू बाबा मंदिर के पास सोमवार आधी रात को पिकअप गाड़ी नंबर यूपी 43 टी-7730 से पांच लोगों को रौंदने का प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार, सभी लोग फुटपाथ पर सो रहे थे। इसके बाद ड्राइवर पिकअप तेजी से लेकर भाग रहा था। तभी पिकअप का संतुलन बिगड़ा और गाड़ी ओवरब्रिज की रेलिंग से जा टकराई। पिकअप का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। इसकी सूचना पाकर वहां अपराध निरोधक समिति के आठ सदस्य पहुंच गए। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। निरोधक समिति के सदस्यों के मुताबिक, चालक शराब के नशे में धुत था। पुलिस चौकी बड़गांव के सिपाही अमरजीत व राहुल पिकअप समेत ड्राइवर को हिरासत में लेकर नगर कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पिकअप स्वामी को दे दी गई है। बताया कि चालक के विरूद्ध हिट एंड रन के प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

ओपी राजभर का बीजेपी पर तल्ख तेवर, बोले- अहंकार तो रावण का भी नहीं रहा

प्रदेश सरकार में सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की बयानबाजी अब बीजेपी के लिए असहनीय होती जा रही है। सियासी सुगबुगाहट जोर पकड़ रही है कि कहीं उनका बड़बोलापन एनडीए से उनकी रुखसती का सबब न बन जाए। वहीं मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के बयानों के बाद भी ओमप्रकाश राजभर के तेवर वैसे ही तल्ख हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को अहंकार हो गया है। 50 साल तक सत्ता में रहेंगे। अहंकार तो महाबली रावण का भी टूट गया था। ओपी राजभर ने कहा है कि इस अहम के कारण ही उपेंद्र कुशवाहा, रामविलास पासवान और शिवसेना भाजपा से नाराज है। यह भी कहा कि उन्हें गठबंधन से निकाले जाने का कोई खौफ नहीं है। वह उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब भाजपा उन्हें गठबंधन से निकाल दे। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण में बंटवारे पर बीजेपी नेता चुप्पी साधे हुए हैं। जिन पिछड़ी जातियों का वोट लेकर सत्ता में आए उनको क्या जवाब देंगे? मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य संगठन के साथी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर को हद में रहने की नसीहतों दी है।

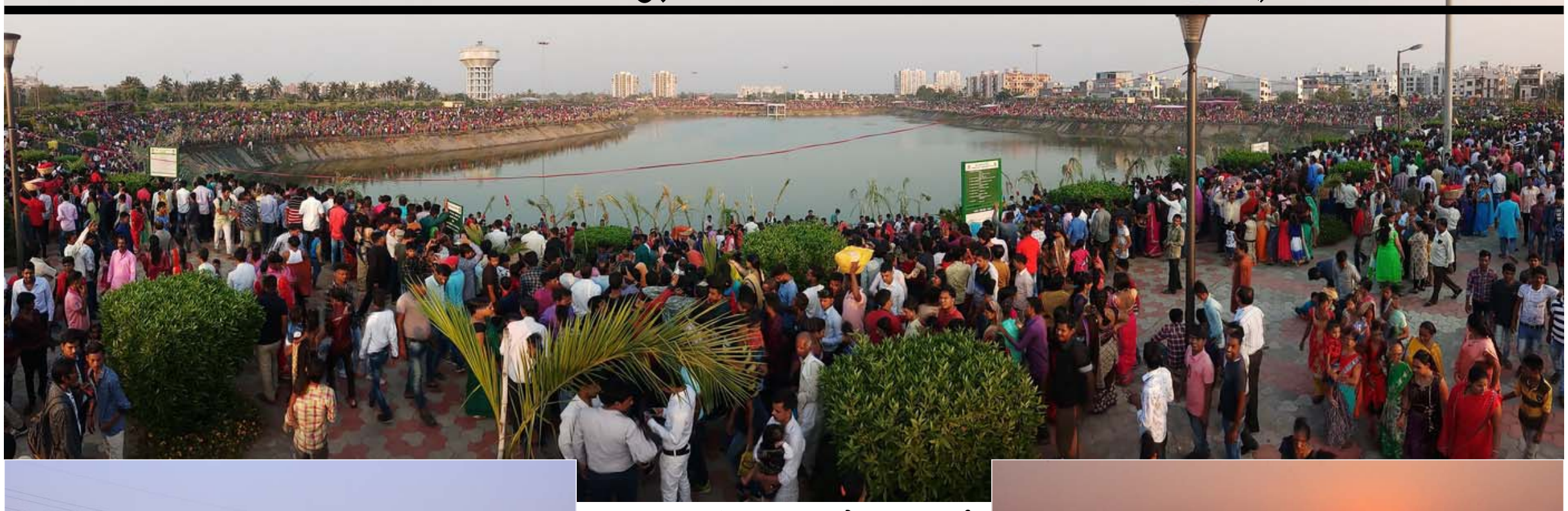

सूरत। मंगलवार को छठ पर्व को बडी ही धुम-धाम से मनाया गया। तापी नदी सहित शहर के अन्य विस्तारों में स्थित तलाबों में सूर्य को अर्ग दिया गया।

छठ पूजा के लिए तैयार घाट का लोकार्पण

छठ महापर्व पर रुपाणी ने भी लोगों के साथ पूजा की

बिहार, झारखंड और पूर्व उत्तरप्रदेश के बड़ी संख्या में लोग साबरमती नदी के किनारे महापर्व मनाने को पहुंचे

अहमदाबाद । अहमदाबाद समेत पुरे गुजरात में भी आज छठ महापर्व मनाया गया । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी अहमदाबाद में छठ महापर्व के अवसर पर लोगों के बीच पहुंचे। शहर में साबरमती नदी के किनारे पूजा के लिए खास व्यवस्था की गई थी । इस पूजा में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के अलावा गृह राज्य मंत्री प्रदिपसिंह जाडेजा, महेसुल मंत्री कौशिक पटेल, अहमदाबाद के मेयर बिजल पटेल भी शामिल हुए । बिहार और उत्तरप्रदेश में दिवाली के बाद की छठ महापर्व का विशेष महत्व रहता है । आज शाम छह बजे के बाद छठ महापर्व को मनाने की शुरुआत हुई । सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में लोग साबरमती नदी के किनारे एकत्रित हुए । छठ महापर्व को लेकर पहले से ही साबरमती रिवरफ्रन्ट पर तैयारिया की गई थी । नदी के किनारे कोई भी अव्यवस्था न हो इसके लिए पहले से ही सभी कदम उठाये गए थे । अहमदाबाद के मेयर बिजल पटेल ने बताया कि पिछले कुछ दिनो से उसको लेकर तैयारिया चल रही थी। विजय रुपाणी ने उत्साह पूर्वक लोगों के साथ इस महापर्व में भाग लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया । दुसरी ओर छठ पूजा के लिए विशेष घाट भी तैयार कर लिये गए है । आज रुपाणी ने लोकार्पण किया । इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशिलकुमार मोदी भी उपस्थित रहे। बिहार, झारखंड और उत्तरप्रदेश के लोगो के लिए छठ का उपहार रुपाणी ने दिया। लोगों के लोक आस्था के महापर्व छठ के लिए शहर में हासोल स्थित इन्दिरा ब्रिज के नीचे पूजा का घाट बनाकर तैयार करा लिया गया है। आज रुपाणी ने सूर्य को सांयकालिन अर्ध्य से पहले इस घाट का लोकार्पण किया । गुजरात सरकार के पर्यटन विभाग और अहमदाबाद महानगरपालिका ने मिलकर ढाई किलोमीटर लंबे छठ पूजा घाट को विकसित किया है । रुपाणी ने गत वर्ष गुजरात में रहने वाले बिहारीयों की छठ पूजा के लिए इसकी घोषणा की थी । ११ करोड़ रुपये के खर्च से तैयार छठ पूजा के घाट का श्रद्धालु लंबे समय से इन्तजार कर रहे थे । इन्दिरा ब्रिज पर छठ पूजा के आयोजन को लेकर पहले से ही तैयारिया कर ली गई थी । पिछले १५ वर्षो से यहा छठ पूजा का आयोजन किया जा रहे है । घाट के बनने से ज्यादा से ज्यादा लोग छठ पूजा के लिए लोग यहा आ सकेंगे । उन्होंने कहा कि यह गुजरात की ओर से छठ पूजा के अवसर पर उपहार के समान है । लोकार्पण के वक्त बड़ी संख्या में अधिकारी भी उपस्थित रहे ।

अहमदाबाद में भी छठ महापर्व परंपरागत रुप से मनाया गया । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी श्रद्धालुओं के बीच महापर्व मनाने के लिए पहुंचे । उन्होंने विशेष पूजा की । इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशिल मोदी भी उपस्थित रहे ।

गुजरात कांग्रेस की ओर से नोटबंदी के खिलाफ मंगलवार के दिन विरोध प्रदर्शन किया गया।

जसदण में एक और किसान की आत्महत्या से सनसनी

अहमदाबाद । एक ओर गुजरात सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में प्रयास किये जाने की बात कर रही है तब और एक किसान ने आत्महत्या कर ली है । फसल बर्बाद होने से निराश हुए किसान ने आत्महत्या कर ली है । किसानों की ओर से आत्महत्या करने का सीलसीला गुजरात में भी जारी रहा है। जसदण इलाके में कम बारिश के चलते फसल बर्बाद होने से निराश हुए किसान ने आखिरकार आत्महत्या कर ली है। गीतनगर इलाके में रहनेवाले किसान ने आत्महत्या की है । मिली जानकारी के मुताबिक राजकोट के जसदण इलाके में गीतनगर में रहनेवाले ३९ वर्षीय शिवराजभाई विसुभाई ने अपने खेत में सिंचाई की थी । बारिश कम होने के चलते फसल को नुकसान हुआ था । पिछले कुछ दिनो से किसानों की समस्या और अधिक गंभीर बन रही है। इस बारे में जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने तुरंत ही जांच शुरु कर दी है। लाश को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया गया।

लोगों के पास से २६० करोड़ से अधिक रुपये ऐंठे

करोड़ों रुपये लेकर रफुचक्कर हुए दंपत्ति की खोज तीव्र हुई

महाठग विनय शाह ने ११ पेज का पत्र जारी कर अपना बचाव किया : बहुत से लोगों को पैसे दिये गए : शाह

अहमदाबाद । थलतेज के प्रेसिडेंट हाउस में वर्ल्डकलेवरेक्स सोल्युशन नाम की ऑफिस खोलकर लोगों को एक के बदले पैसे डबल करने की लालच देकर करोड़ो रुपये लेकर रफुचक्कर होने वाले दंपत्ति को पकड़ने के लिए पुलिस ने अब दिन रात एक कर दिया है । अब तक इस दंपत्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है । करोड़ो रुपये लेकर फरार हुए इस दंपत्ति को पकड़ने के लिए पुलिस ने हाईअलर्ट भी घोषित कर दिया है। मिले पत्र में बहुत सी चौकानेवाली जानकारिया निकल कर बहार आई है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस, राजनेता से लेकर पत्रकारो के पैसे लेकर यह दंपत्ति रफुचक्कर हो गया है। करोडो रुपये लेकर फरार हुए यह दंपत्ति ने २६० करोड़ रुपये से अधिक की रकम इकठ्ठा कर ली थी । विन शाह और उनकी पत्नी भार्गवी शाह ने अबतक २६० करोड़ रुपये लोगों के पास से ले लिए है । पुलिस की जांच में यह आंकड़ा और अधिक जाने की संभावना दिख रही है। दुसरी और महाठग बने विनय शाह ने एक लेटर बोम्ब जारी करते हुए अपने कौभांडो के बारे में आक्षेपो को अस्वीकर कर दिया है । अपना बचाव भी किया है । दुसरी और पुलिस जांच कर रही है । अहमदाबाद के थलतेज में ऑफिस खोलकर लोगों के पास से २६० करोड़ रुपये एकत्रित कर लिए थे । लोगों को एक के बदले २ रुपये देने की बात की गई थी। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी इन दिनों नेपाल में है और उनकी पत्नी दिल्ली में है। दिल्ली से उनकी पत्नी विदेश फरार न हो इसके लिए अलर्ट घोषित किया गया है । विनय शाह ने इस पुरे प्रकरण के बारे में ११ पेज का एक पत्र लिखा है । जिसमें उच्च पुलिस अधिकारी, नेता और पत्रकारो को पैसे दिये गये होने की बात भी की गई है । यह पत्र वायरल होने के बाद और अधिक सनसनी फैल गई है। विनय शाह ने दावा किया है कि उनके पास करोडो रुपये चुकाये होने के बारे में ओडियो और वीडियो रेकोर्डिंग है। उच्च अधिकारी को प्रोटेकशन मनी के रुप में ५० लाख रुपये दिये गए थे । मीडिया में समाचार नहीं देने की शर्त पर २१ लाख चुकाए गए थे ।

छारानगर में स्थानिय लोगों पर पुलिस अत्याचार केस

जेसीपी यादव और डीसीपी श्वेता के खिलाफ अब वॉरंट

अहमदाबाद । दो महिने पहले अहमदाबाद के सरदारनगर इलाके में स्थित छारानगर में शराब के अड्डे पर रेड करने पहुंचे पुलिस सब ईन्स्पेकटर पर हुए हमले के बाद पहुंची पुलिस की ओर से महिला, बच्चो समेत बहुत से स्थानिक लोगों को मारते हुए अत्याचर करने के केस में आज सुनवाई हुई । जेसीपी यादव, डीसीपी श्वेता श्रीमाली समेत के अधिकारियों के खिलाफ वारंट जारी किया गया है । छारानगर में स्थानिय लोगों पर पुलिस अत्याचार के केस में इन सभी के खिलाफ वोरंट जारी किया गया है । आज सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं रहने से सेकटर-२ के जेसीपी अशोक यादव, डीसीपी श्वेता श्रीमाली, पीआई आर एन विरानी और पीएसआई डी.को. मोरी के वर्तन को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई है । मेट्रोपोलिटन कोर्ट ने गंभीर नोंध लेते हुए इन सभी के खिलाफ जमानत लायक वोरंट जारी कर दिया । जिसके चलते पुलिस तंत्र में भी सनसनी फैल गई है । कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई अब १० दिसम्बर के दिन करने का फैसला किया है । शिकायतकर्ता मनोज द्वारा मेट्रोपोलिटन कोर्ट में पुलिस दमन के खिलाफ दायर की गई शिकायत में एडवोकेट भरत शाह ने महत्वपूर्ण दलीले करते हुए कहा कि अहमदाबाद पुलिस कमिशनर की ओर से शहर में जहां भी दारु बेची जा रही है वहा कडक चेकींग करने का आदेश किया गया है जिसके चलते सरदारनगर पुलिस सब इन्स्पेकटर मोरी अपने स्टाफ के साथ छारानगर में चेकींग करने पहुंचे थे । उस दौरान उन पर हमला किया गया । इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस स्टेशन के स्टाफ के लोग छारानगर में पहुंच गए और मारामारी की ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)